2025

श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

प्रथम वर्ष - अभ्यास - ८

जनवरी

गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अधूरे जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में हो उतना ही खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोड़ना नहीं है, जोड़ने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरूरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नहीं जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की १५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगे, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरूरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. श्रावक के ..... नीति के कारण ही दुष्काल सुकाल में परिवर्तित हो गया ।
२. योग की एकाग्रता अथवा..... वो ध्यान है ।
३. गुणों का वैभव जिसका..... वही सच्चा श्रावक ।
४. सतत सावधान रहकर..... मैं मस्त बने ।
५. श्रमण महावीर प्रभु की माता..... गोत्र की थी ।
६. तीर्थंकर पद पाये बिना मोक्ष मे जाये वें ..... सिद्ध ।
७. सभी धर्म क्रियाए..... की आज्ञा लेकर करनी चाहिए ।
८. अपना एक ..... याने ही अगुलमाप ।
९. मोहराजाने रोहिणी को ..... करने की जाहिरात दी ।
१०. पहले शिष्य को ..... परठने का काम बजाने का हुकम दिया ।
११. सबसे .....ऊँचाई सातमी नरक की है ।
१२. हमारे पास जो समय, शक्ति और संपत्ती है, वह धर्म द्वारा ..... बांधने से मिली है ।
१३. इतो की .....में वृद्धि होती है ।
१४. निर्जरा से पुराने ..... क्षय होते है ।
१५. चित्रकार जैसा है ..... ।
१६. विवेक अज्ञानरुप अंधःकार का नाश करनेवाला होने से ..... कहलाता है ।
१७. सूंठ का मोदक..... को मिटाता है ।
१८. भयंकर..... को देखकर सब बालक भाग गये ।
१९. नंदिवर्धन राजा ने क्षत्रियकुंड ग्रामनगर को..... समान शृंगारित किया ।
२०. दो वक्त वांदणा सूत्र बोलने पूर्वक बारह आवर्त से जो वंदन करते हैं, उसे ..... वंदन कहते है ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. भेल तो चोपाटी की ही - दही खाने की मजा तो पातीताना में ही - यह कौन सी कथा है ?
२. वल्कलचिरी कौन से सिद्ध हुए ?
३. काय याने काया तो उत्सर्ग याने क्या ?
४. सदाचार परायण ऐसा जिसका परिवार हो वह कैसा परिवार कहलाता है ?
५. गुणवान को पहचानने के लिए कैसी दृष्टि होना आवश्यक है ?
६. कर्मों का आत्मा से दूर करने का मुख्य शस्त्र क्या है ?
७. प्रभु महावीर के दामाद का नाम क्या था ?
८. कन्या ने कौनसा तप किया था ?
९. अनादि काल से जीव किसमें फंसा हुआ है ?
१०. ज्ञानावरणीय कर्म की जघन्य स्थिति कितनी ?
११. बालविधवा लडकी का नाम क्या था ?
१२. गुरु के अभाव में धर्म पुस्तकादि में क्या रखकर उसकी स्थापना की जाती है ?
१३. दीर्घदृष्टि का स्वामी इहलोक के साथ और किसको देखता है ?
१४. तीर्थंकर के हाथ में कम या ज्यादा सोनामोहर न आए ऐसी व्यवस्था कौन करता है ?
१५. कर्म का आत्मा के साथ रहने का काल समय कौनसा बंध कहलाता है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१. सुहुमं २) वत्तिओ ३) पनरस ४) रयणप्पहा ५) अनुकमसो ६) संचओ ७) जुत्तो ८) रसच्चाओ ९) गोअेसु १०) मुक्को
११. विणओ १२) रायकहाओ १३) जोणी १४) अहं १५) कुलाल १६) साहू १७) पडिगाह १८) तवो १९) सिरसा २०) अह

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) जिनशासन	१) स्वाध्याय	६) संयमरूपी	६) आहार
२) अशन	२) प्रमाद	७) बालक	७) पूजनिक
३) उच्चगोत्र	३) देव	८) उद्यान	८) सुवर्ण का भंडार
४) मालवा	४) गुणों का पुजारी	९) वाचना	९) यात्रा
५) मिथ्यादृष्टि	५) सेना	१०) चतुरंगी	१०) ज्ञातखंड वन

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. अभ्यंतर तप कितने प्रकार के हैं ?
२. आयुष्य कर्म की उत्कृष्ट स्थिति कितनी सागरोपम है ?
३. महाविगई कितनी हैं ?
४. एक धनुष्य याने कितने हाथ ?
५. श्रावक का सुपक्ष गुण का नंबर कौन सा ?
६. मेरे गुरु कितने गुणों से युक्त है ?
७. दिक्कुमारियां कितनी हैं ?
८. सिद्ध के भेद कितने ?
९. मोहनीय कर्म की उत्तर प्रकृतियां कितनी हैं ?
१०. साधु कितने हजार शिल चारित्र के अंग को धारण करने वाले है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. अनुकूल याने धर्म में विघ्न करनेवाला ।
२. एक समय में १०८ से ज्यादा मोक्ष में नहीं जाते ।
३. दोपहर के बाद सुहराई कहना चाहिए ।
४. कर्म का स्वभाव वह प्रदेशबंध ।
५. तीसरे शिष्य को गुरु ने पूरा गच्छ सौंप दिया ।
६. राजा के भंडारी जैसा अन्तराय कर्म है ।
७. बहुजन श्लाघनिय याने स्वजन परिजनों के प्रशंसा योग्य ।
८. ध्यान बाहय तप है ।
९. विकथा के साथ प्रमाद जुड गया ?
१०. काया को कष्ट देकर काया पर विजय प्राप्त करना वह संलिनता तप है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. तप बिना कर्मक्षय नहीं और कर्मक्षय बिना मोक्ष नहीं ।
२. सब संबंध क्षणिक है ।
३. मेरे सामने उसकी क्या गिनती ?
४. "साहेब भात-पानी का लाभ देना जी " ।
५. फिलहाल इस देश में यही माप का व्यवहार चलता है ।
६. "अब मैं और मेरे पुत्र का मुख कब देखुंगी ।
७. गन्ने का रस मीठा, उसका स्वभाव मीठा ।
८. "जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि "।
९. आपको मैं मस्तक से नमस्कार करता हूँ जी ।
१०. यदि इस आदत को बदला जाय तो हमारा कार्य बदला जा सकता है ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. रसबंध २) राजकथा ३) गुरुक्षमापना अर्थ ४) दान देने के छह अतिशय
५. सात नारकी में रहे जीवों की ऊंचाई ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अॅकेडमी, श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालीसगांव - ४२४ १०१, जि. जलगांव, मो. ९०२८२४२४८४
सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com